Psychology (Hons) VI paper
Educational Psy

Page No.:
Date: / /

अपराधी बालक

Delinquent children

जब कोई बालक किसी सामाजिक, नैतिक या शैक्षणिक नियमों का उल्लंघन करता है तो उसके इस व्यवहार को बाल अपराध (delequent) कहते हैं। जैसे - चोरी करना, स्कूल से अनुपस्थित होना, घर से भागना इत्यादि अपराध के उदाहरण हैं।

According to Healey - " वह बालक जो व्यवहार के सामाजिक नियम से विचलित हो, उसे बाल - अपराधी कहते हैं।"

According to Burt - " पारिभाषिक अर्थ में बाल अपराधी - वह बालक है जिसकी असामाजिक प्रवृत्तियाँ इतनी गंभीर प्रतीत होती हैं कि वह शासकीय कारवाई का भागी बन जाता है।"

According to A.S. Reber - " बाल अपराध शब्द का व्यवहार ऐसे अपराधियों के लिए किया जाता है जिनकी आयु 16 से 18 वर्ष के लगभग होती है।"

Scanned with CamScanner

Page No.:
Date: / /

According to Mangal – " बाल - अपराध का तात्पर्य नाबालिग के अपराधी व्यवहार (18 वर्ष से कम आयु के व्यक्ति के व्यवहार) से है।"

According to chris Evans." - विशेषकर 18 वर्ष से कम आयु के किसी व्यक्ति द्वारा नैतिक या वैधानिक संहिता को तोड़ने की क्रिया को बाल - अपराध कहते हैं।"

परिभाषाओं के विश्लेषण से स्पष्ट होता है कि निम्न।

Page No.:
Date: / /

बाल - अपराधियों की विशेषताएँ निम्नलिखित है।

1 - निरीक्षणों से पता चलता है कि बाल अपराधी शरीर से मजबूत माँसपेशियाँ, विकसित अलौकिक चेहरा और आँखों में अपूर्व चमक होती है।

2 - बाल अपराधी स्वभाव से आक्रामक होते है और बात - बात पर आक्रामक व्यवहार करते है।

3 - इनके स्वभाव में असहनशीलता की प्रधानता होती है।

4 - ऐसे बालक अधिकारियों के प्रति नकारात्मक मनोवृत्ति तथा वैरभाव रखते हैं।

5 - ऐसे बालकों में अनुपालन का भारी अभाव होता है।

6 - Psychoanalyst के अनुसार इनका ego सबल होता है और super-ego कमजोर। इसलिए इनमें अपराध - बोध नहीं होता है और न ही वे किसी तनाव के शिकार ही होते है।

अतः उपर्युक्त ~~विशेषता~~ विशेषताओं के आधार पर बाल - अपराधी की पहचान की जा सकती है।

Scanned with CamScanner

बाल अपराधों के प्रकार
मुख्य रूप बाल अपराध के निम्नलिखित प्रकार हैं

1 - चोरी की प्रवृति (stealing tendency) ऐसे बालक अपने घर से ही अपनी इच्छित चीजों को चुराने का प्रयास करता है और बाद में यही व्यवहार स्कूल और पड़ोस तक पहुँच जाता है

2 - भाग जाना (Running Away) - घर से भाग जाना भी बाल अपराधी व्यवहार का एक प्रकार है

3 - बर्बरता (Vandalism) इसमें बालक बर्बरतापूर्ण व्यवहार करके दूसरों को नुकसान पहुँचाता है

4 - लिंग - अभद्र व्यवहार - प्रारंभिक तथा उत्तरकालीन किशोरावस्थाओं में बालकों ~~में~~ यौन ~~से~~ से संबंधित अभद्र व्यवहार करते हैं

5 - जालसाजी — कुछ बच्चे अपने माता - पिता, पड़ोसियों, शिक्षकों या ~~साथियों~~ साथियों के साथ - जालसाजी से संबंधित व्यवहार करते हैं

Page No.:
Date: / /

बाल - अपराधों के कारण
निम्नलिखित हैं।

1. जैविक कारक (Biological factors)
2. दोषपूर्ण पारिवारिक वातावरण (Defective family Environment)
3. सामाजिक - सांस्कृतिक कारक (Socio-cultural factor)
4. मानसिक रोग तथा असामान्य मानसिक स्थिति (Mental illness and abnormal state of mind)

1 - जैविक कारक के अन्तर्गत निम्नलिखित मुख्य कारक हैं।

1 वंशानुक्रम - कुछ मनोवैज्ञानिकों और शिक्षाशास्त्रियों के अनुसार बाल - अपराध का कारण वंशानुक्रम है यह जन्मजात लक्षण है यह वातावरण में नहीं बनाया जाता है।

2. शारीरिक दोष - डा० लोम्ब्रोसो ने अपने अध्ययनों के आधार पर निष्कर्ष निकाला है कि जैविक कारक और विशेष रूप से शारीरिक लक्षण अपराध का मुख्य कारण है उन्होंने कहा कि अपराधी के कुछ जन्मजात लक्षण होते हैं। जैसे - बड़े और नोकीला सिर, छोटी गर्दन, धंसी आंखें, चिपटी नाक, पीला चेहरा आदि।

Page No.:
Date: / /

लेकिन ~~लोम्ब~~ लोम्ब्रोसो का यह विचार दोषपूर्ण है क्योंकि यह जरूरी नहीं है कि ये शारीरिक लक्षण वाले बालक बाल अपराधी हो ही, यह निर्भर करता है कि उसके प्रति समाज का व्यवहार कैसा है। यदि ऐसे बालकों के प्रति समाज का व्यवहार अच्छा नहीं रहता है तो ऐसे बालकों के अन्दर समाज के प्रति विद्रोह उत्पन्न होने लगता है और वे असामाजिक क्रियाएँ करने लगते हैं।

3- निम्न बुद्धि :— मन्द बुद्धि होने के कारण भी बच्चे सामाजिक - असामाजिक ~~नैतिक~~ नैतिक - अनैतिक तथा अच्छे-बुरे व्यवहारों के बीच अन्तर समझने में असमर्थ होते हैं। जिससे अज्ञानतावश वे अपराधी व्यवहार करने लगते हैं। कई अध्ययनों के आधार पर भी यह प्रमाणित हो चुका है कि ऐसे बालकों में social maturity की कमी पायी जाती है।

Scanned with CamScanner

Page No.:
Date: / /

4 - माता-पिता के स्वभाव संबंधी शोधगुण अध्ययनों के आधार पर पता चलता है कि ~~यदि~~ बालकों के माता-पिता ~~का~~ के स्वभाव संबंधी गुणों का प्रभाव भी बाल-अपराध पर पड़ता है।
जैसे alcoholism के कारण कुछ बालक अपराधी बन जाते हैं।

~~यदि~~

5 - क्रोमोजोम - गड़बड़ी - यह भी जैविक कारक है, यदि बालकों में xy क्रोमोसो के बदले xyy क्रोमोजोम होते हैं, तो उनमें अपराध करने की प्रवृत्ति मूलतः अधिक हो जाती है।

2 - दोषपूर्ण पारिवारिक वातावरण → बाल-अपराध व्यवहार के विकास पर दोषपूर्ण घरेलू वातावरण का प्रभाव निम्नलिखित रूपों में देखा जाता है।

1 - घर की अवस्थाएँ :- घरेलू वातावरण का गहरा प्रभाव बालकों के व्यक्तित्व विकास एवं चरित्र विकास पर पड़ता है
दूषित वातावरण होने से बच्चे कई प्रकार के ~~असामाजि~~ असामाजिक व्यवहार सीख लेते हैं यही कारण है कि अपराधी बालक broken home से आते हैं।

इसी तरह माता-पिता के बीच अलगाव तलाक, मनमुटाव आदि के कारण भी बच्चे अपराधी बन जाते हैं।

2. घर का अनुशासन :- सीरियल बर्ट के अध्ययन से ज्ञात हुआ है कि दोषपूर्ण पारिवारिक अनुशासन के कारण भी कुछ बच्चे अपराधी बन जाते हैं। उन्होंने अपराधी तथा सामान्य बालकों के पारिवारिक अनुशासन का एक comparative study में पाया कि 61% अपराधी बालकों तथा 12% सामान्य बालकों के परिवार का अनुशासन दोषपूर्ण था। इसी तरह हीलडन के अनुसार parents तथा family members के अति कठोर या अति ढीला अनुशासन के कारण कुछ बालक अपराधी बन जाते हैं।

3. आर्थिक स्थिति - आर्थिक स्थिति तथा अपराध में बड़ा निकट संबंध है। बहुत से बच्चे अपनी गरीबी के कारण अपराधी बन जाते हैं। शुरू में वे छोटे-मोटे अपराध करते हैं लेकिन बाद में वे बड़े-बड़े

Scanned with CamScanner

Page No.:
Date: / /

अपराध करने लगते हैं। गरीबी से उत्पन्न परिस्थितियाँ जैसे – माता-पिता के बीच कलह, भाई बहनों के बीच तकरार रहने-सहने की कमी, दोषपूर्ण अनुशासन शिक्षा का अभाव आदि अपराध का कारण बन जाते हैं।

4- पाठशाला — school के discipline के बहुत कड़ा या बहुत ढीला होने से भी बालकों में अपराधी-व्यवहार विकसित होने लगता है। स्कूल से अनुपस्थित रहना, वर्ग से भागना चोरी करना आदि व्यवहार सहज रूप से देखे जाते हैं। इसी तरह school में मनोरंजन एवं खेल के पर्याप्त साधन के अभाव में बालक फुरसत के समय प्रायः असामाजिक क्रियाओं की ओर बाध्य या प्रेरित होते हैं।

5- साथी एवं समुदाय – बालकों के अपराधी बनाने में साथी तथा समुदाय का भी बहुत हाथ होता है। उनके नैतिक आचरण पर विशेष रूप से प्रभाव पड़ता है। Healy ने chicago

तथा Bristol के अपराधी बालकों का अध्ययन किया और पाया कि इनमें 2/3 का संबंध बुरी संगति से था। इस बात को हम अपने दैनिक जीवन में भी प्रायः देखते हैं कि शराबी, जुआरी तथा पॉकेटमारों के साथ रहने वाले बच्चे भी वैसे ही बन जाते हैं।

उपर्युक्त विवरण से यह स्पष्ट है कि दोनों कारण विभिन्न रूप से अपराध को प्रोत्साहित करते हैं अतः अपराध न तो पूर्णतः जन्मजात गुण है और न अर्जित है। जैविक कारण का प्रभाव परोक्ष रूप से पड़ता है और सामाजिक कारण का प्रभाव प्रत्यक्ष रूप से। जैविक घटक वातावरण के संपर्क में आने से ही अपराध का कारण बनता है।

Scanned with CamScanner